हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

अंक 298 | लखनऊ व एटा से प्रकशित | सोमवार 23 नवंबर 2026 | पृष्ठ : 4 | मूल्य :

कृषि विश्वविद्यालय में छह दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न

अनवर अशरफ

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के पादप रोग विज्ञान विभाग स्थित मशरूम शोध एवं विकास केंद्र की ओर से आयोजित छह दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को संपन्न हो गया। 16 से 21 नवंबर तक चले प्रशिक्षण में प्रदेश के 71 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया, जिनमें 10 महिलाएं शामिल रहीं।प्रशिक्षण पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मुकेश श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने प्रशिक्षणार्थियों को मशरूम का महत्व, मीडिया तैयारी एवं आइसोलेशन, स्पॉन व कंपोस्ट निर्माण, बटन, ढींगरी एवं दूधिया मशरूम उत्पादन की तकनीक, औषधीय मशरूम, मशरूम फार्म की संरचना, बीमारियों एवं कीट प्रबंधन तथा मूल्यवर्धित उत्पादों और व्यंजनों की जानकारी दी। पादप रोग विज्ञान विभाग के डॉ. मुकेश श्रीवास्तव, प्रो. एस.के. विश्वास, डॉ. अभिषेक रथ, डॉ. सेंथिलकुमार एस. एवं डॉ. हलीमा खातून, कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस के खाद्य विज्ञान एवं पोषण विभाग की डॉ. विनीता सिंह तथा कीट विज्ञान विभाग की डॉ. नाहिदा अफरीन ने प्रशिक्षण दिया।



बाहर से आए अतिथि वक्ताओं में जिला उद्यान अधिकारी, कानपुर श्री उमेश चंद्र ने सरकारी योजनाओं, सब्सिडी एवं ऋण सुविधाओं की जानकारी दी। भारत एग्रीटेक के फाउंडर एवं निदेशक डॉ. धनंजय सिंह ने स्पॉन उत्पादन तथा बैंक प्रबंधक श्री शिवम त्रिपाठी ने एग्री-इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड के बारे में बताया। अंतिम दिन प्रशिक्षणार्थियों की शंकाओं का समाधान किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

अमर उजाला 23/11/2026

न्यूज डायरी

5.5 जीपीए न लाने पर प्रवेश होगा निरस्त

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) ने तय किया है कि एक साल के भीतर न्यूनतम ग्रेड पाइंट हासिल न करने वाले छात्रों का प्रवेश निरस्त करने का नियम इसी साल से लागू होगा। 27 अक्तूबर को हुई विद्या परिषद की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। नए नियम के तहत स्नातक के विद्यार्थियों को पहले दो सेमेस्टर में न्यूनतम 5.5 जीपीए, परास्नातक के विद्यार्थियों को 6.5 जीपीए हासिल करना होगा। पहले सेमेस्टर में निर्धारित जीपीए नहीं पाने वाले स्नातक विद्यार्थियों को दूसरे और तीसरे सेमेस्टर में प्रवेश मिल सकेगा। उन्हें अगले सत्र में पहले सेमेस्टर की परीक्षा दोबारा देकर जरूरी ग्रेड पॉइंट हासिल करना होगा। परास्नातक विद्यार्थियों के लिए भी यही व्यवस्था लागू होगी। (ब्यूरो)

सीएसए में छः दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व में मशरूम उत्पादन तकनीक पर छःदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 16 नवंबर से 21 नवंबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। पादप रोग विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ मुकेश श्रीवास्तव ने बताया कि कोई भी व्यक्ति (कृषक, छात्र एवं शहरी लोग) जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं। तो यह उनके लिए सुनहरा अवसर है।उन्होंने बताया कि हमारा देश कृषि प्रधान है और ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि के साथ-साथ अन्य उद्योगों में भी प्रशिक्षण देना जरूरी है। डॉ.श्रीवास्तव ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग ऐस्टर, बटन या मिल्की मशरूम की खेती शुरू कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसान से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी सलाह उपलब्ध कराई जाएगी।साथ ही प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उगाने के विभिन्न प्रकार के प्रयोग (प्रैक्टिकल) भी कराए जाएंगे। नोडल अधिकारी डॉ. श्रीवास्तव ने आगे बताया कि प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए 1500/- रुपया पंजीकरण शुल्क के साथ अपनी आईडी (आधार की कॉपी) एवं एक स्वयं की पासपोर्ट साइज फोटो देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अगर कोई किसान बाहर से आता है। तो उसे रुकने की व्यवस्था होगी। लेकिन उसके लिए प्रशिक्षणार्थी को स्वयं खर्चा वहन करना होगा।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर शकील खान ने बताया कि सफलतापूर्वक प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9839818899 एवं 8218483463 पर संपर्क करें।

कृषि विश्वविद्यालय में छह दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक हुआ संपन्न

दैनिक कानपुर उजाला



कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के पादप रोग विज्ञान विभाग स्थित मशरूम शोध एवं विकास केंद्र की ओर से आयोजित छह दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्य म शनिवार को संपन्न हो गया। 16 से 21 नवंबर तक चले प्रशिक्षण में प्रदेश के 71 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया, जिनमें 10 महिलाएं शामिल रहीं। प्रशिक्षण पादप रोग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. मुकेश श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने प्रशिक्षणार्थियों को मशरूम का महत्व, मीडिया तैयारी एवं आइसोलेशन, स्पॉन व कंपोस्ट निर्माण, बटन, ढींगरी एवं दूधिया मशरूम उत्पादन की तकनीक, औषधीय मशरूम, मशरूम फार्म की संरचना, बीमारियों एवं कीट प्रबंधन तथा मूल्यवर्धित उत्पादों और व्यंजनों की जानकारी दी। पादप रोग विज्ञान विभाग के डॉ. मुकेश श्रीवास्तव, प्रो. एस.के. विश्वास, डॉ. अभिषेक रथ, डॉ. सेंथिलकुमार एस. एवं डॉ. हलीमा खातून, कॉलेज ऑफ कम्युनिटी साइंस के खाद्य विज्ञान एवं पोषण विभाग की डॉ. विनीता सिंह तथा कीट विज्ञान विभाग की डॉ. नाहिदा अफरीन ने प्रशिक्षण दिया। बाहर से आए अतिथि वक्ताओं में जिला उद्यान अधिकारी, कानपुर श्री उमेश चंद्र ने सरकारी योजनाओं, सब्सिडी एवं ऋण सुविधाओं की जानकारी दी। भारत एग्रीटेक के फाउंडर एवं निदेशक डॉ. धनंजय सिंह ने स्पॉन उत्पादन तथा बैंक प्रबंधक श्री शिवम त्रिपाठी ने एग्री-इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड के बारे में बताया। अंतिम दिन प्रशिक्षणार्थियों की शंकाओं का समाधान किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। प्रशिक्षण का आयोजन पादप रोग विज्ञान विभाग के डॉ. अभिषेक रथ, डॉ. सेंथिलकुमार एस. एवं डॉ. हलीमा खातून ने किया।